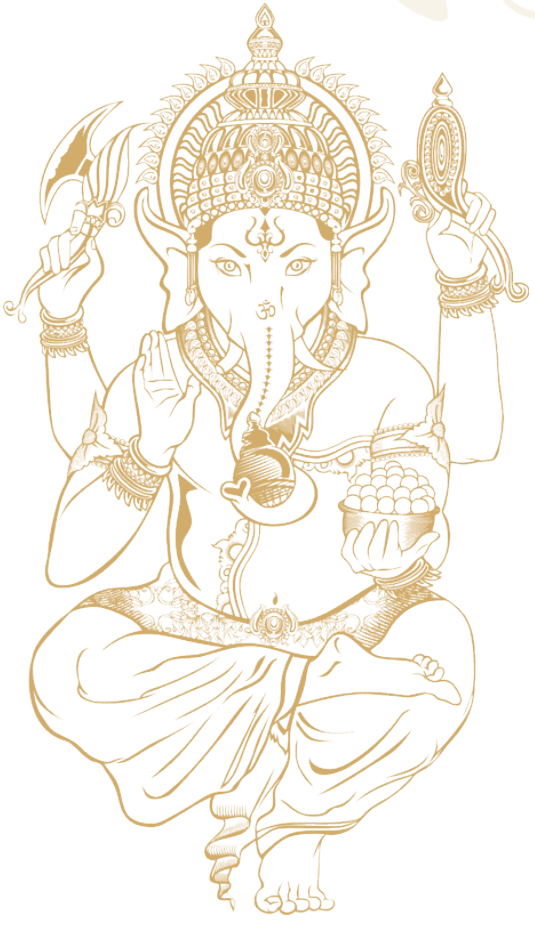

Nayan

10 Jul 2003

07:15 AM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121337302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/07/2003**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	03:57:03 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:45:56 घंटे
वेलान्तर	-00:05:16 घंटे
साम्पातिक काल	01:56:16 घंटे
सूर्योदय	05:40:10 घंटे
सूर्यास्त	19:28:14 घंटे
दिनमान	13:48:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:31:36 मिथुन
लग्न के अंश	12:58:44 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुभ
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	12:58:44	308:12:56	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	---
सूर्य			मिथु	23:31:36	00:57:12	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	03:02:39	14:29:08	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			कुंभ	13:51:51	00:14:07	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध		अ	मिथु	29:02:16	02:05:54	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	स्वराशि
गुरु			कर्क	25:48:57	00:12:00	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	उच्च राशि
शुक्र			मिथु	12:37:52	01:13:29	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			मिथु	10:44:50	00:07:41	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
राहु			वृष	04:35:02	00:00:09	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	04:35:02	00:00:09	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	08:30:13	00:01:28	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप	व		मक	18:33:02	00:01:26	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:56:28	00:01:20	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			मेष	07:18:04	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:09

लग्न-चलित

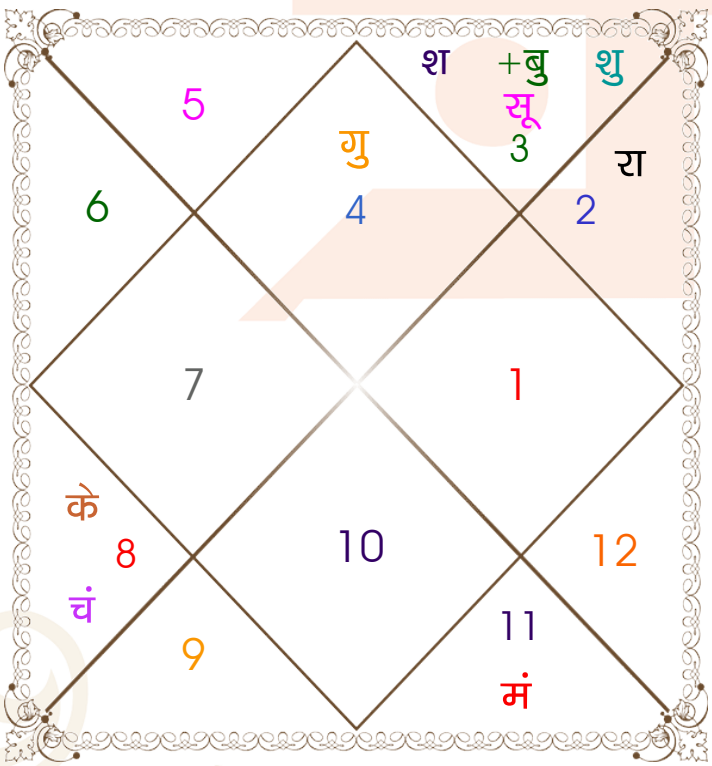

चन्द्र कुंडली

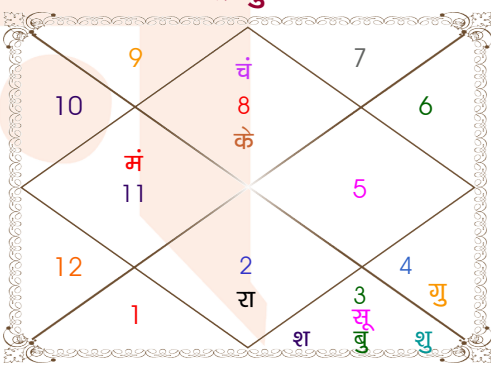

नवमांश कुंडली

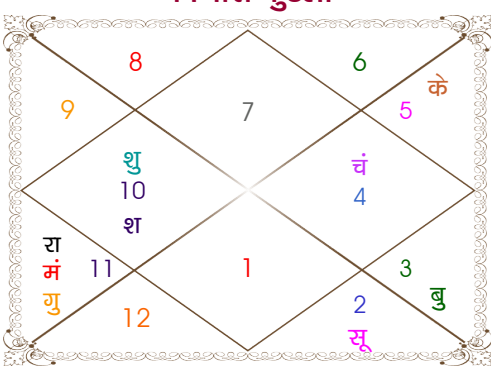

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 4 मास 4 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/07/2003		14/11/2003		13/11/2022		14/11/2039		13/11/2046	
14/11/2003		13/11/2022		14/11/2039		13/11/2046		13/11/2066	
	00/00/0000	शनि	16/11/2006	बुध	11/04/2025	केतु	11/04/2040	शुक्र	15/03/2050
	00/00/0000	बुध	26/07/2009	केतु	08/04/2026	शुक्र	11/06/2041	सूर्य	15/03/2051
	00/00/0000	केतु	04/09/2010	शुक्र	06/02/2029	सूर्य	17/10/2041	चंद्र	13/11/2052
	00/00/0000	शुक्र	04/11/2013	सूर्य	13/12/2029	चंद्र	18/05/2042	मंगल	13/01/2054
	00/00/0000	सूर्य	17/10/2014	चंद्र	15/05/2031	मंगल	14/10/2042	राहु	13/01/2057
	00/00/0000	चंद्र	17/05/2016	मंगल	11/05/2032	राहु	01/11/2043	गुरु	14/09/2059
	00/00/0000	मंगल	26/06/2017	राहु	28/11/2034	गुरु	07/10/2044	शनि	13/11/2062
	10/07/2003	राहु	02/05/2020	गुरु	05/03/2037	शनि	16/11/2045	बुध	13/09/2065
राहु	14/11/2003	गुरु	13/11/2022	शनि	14/11/2039	बुध	13/11/2046	केतु	13/11/2066

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/11/2066		13/11/2072		13/11/2082		13/11/2089		15/11/2107	
13/11/2072		13/11/2082		13/11/2089		15/11/2107		11/07/2123	
सूर्य	03/03/2067	चंद्र	13/09/2073	मंगल	11/04/2083	राहु	26/07/2092	गुरु	02/01/2110
चंद्र	01/09/2067	मंगल	14/04/2074	राहु	29/04/2084	गुरु	20/12/2094	शनि	15/07/2112
मंगल	07/01/2068	राहु	14/10/2075	गुरु	05/04/2085	शनि	26/10/2097	बुध	21/10/2114
राहु	01/12/2068	गुरु	12/02/2077	शनि	15/05/2086	बुध	15/05/2100	केतु	27/09/2115
गुरु	19/09/2069	शनि	13/09/2078	बुध	12/05/2087	केतु	03/06/2101	शुक्र	28/05/2118
शनि	01/09/2070	बुध	13/02/2080	केतु	08/10/2087	शुक्र	02/06/2104	सूर्य	16/03/2119
बुध	09/07/2071	केतु	13/09/2080	शुक्र	07/12/2088	सूर्य	27/04/2105	चंद्र	15/07/2120
केतु	14/11/2071	शुक्र	15/05/2082	सूर्य	14/04/2089	चंद्र	27/10/2106	मंगल	21/06/2121
शुक्र	13/11/2072	सूर्य	13/11/2082	चंद्र	13/11/2089	मंगल	15/11/2107	राहु	11/07/2123

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार के होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने सम्पर्क के बहु संख्यक व्यक्तियों के मध्य प्रसिद्ध होंगे। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहते हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकता है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपकी पत्नी के साथ अपराध उजागर कर सकता है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करते है तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकते हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार के प्राणी है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकते हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगें क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहते हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनना चाहेंगे। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आपको अपने इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहते हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगे।

कर्क राशि विद्यमान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए।